

श्यामा रोज ना बजाय करो बंसरी

श्यामा रोज ना बजाय करो बंसरी
वे घोरो साणु मार पैदी ए, सुन मोहिना

तेरी बांसुरी नू लै जान चोर वे,
के जिवें साडा दिल लुटिया, सुन मोहना ।

श्यामा रोज ना लिखा करो चिठियां,
के वृन्दावन आन मिलेंगे, वे श्यामा ।

पानी भरण दे बहाने आवां,
तेरा मेरा इक रास्ता, सुन मोहिना ।

श्यामा फागुन महीना आया,
के आज्ञा दोनों होली खेलिए, सुन मोहिना ।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1620/title/shyama-roj-na-bajaya-karo-bansuri-gharo-sanu-maar-paindi-a-sun-mohna>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |